खास-खबरें

गरीब की झोपड़ी पर चला बुलडोजर

शाजापुर। रुपये नही देने पर सरपंच के द्वारा पटवारी के साथ मिलकर पट्टे की भूमि पर बनी झोपड़ी को बुलडोजर चलाकर जमींदोज करने का आरोप लगाते हुए दंपत्ति ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शिकायती की है। मंगलवार को ग्राम बेरछी निवासी नरबदाबाई पति प्रहलाद शाजापुर कलेक्टर कार्यालय पहुंची और शिकायती आवेदन देकर बताया कि उसे वर्ष 1994-95 में ग्राम पंचायत देंदला के द्वारा शासकीय भूमि पर पट्टा दिया गया था जिस पर वह झोपड़ी बनाकर निवास कर रही थी। नरबदाबाई का आरोप है कि उससे ग्राम पंचायत के सरपंच ने दस हजार रुपये की मांग की थी, रुपया नही देने पर सरपंच ने पटवारी के साथ मिलकर झोपड़ी पर बुलडोजर चला दिया। झोपड़ी टूटने से वह बारिश के मौसम में खुले में रहने को मजबूर है। आवेदन में महिला ने कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

नगर पालिका ने कराई पानी की टंकियों की साफ सफाई

गंजबासौदा। नागरिकों को स्वच्छ एवं साफ पानी मिल सके इस प्रयोजन से नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि अनिल यादव के निर्देश के बाद पानी की टंकियों की सफाई का काम चालू कर दिया गया है। इस काम की मानिटिरिंग भाजपा नेता देवेंद्र यादव मौके पर पहुंचकर कर रहे हैं जलप्रदाय शाखा के प्रभारी मुन्ना महाराज ने बताया कि सोमवार और मंगलवार के दिन वार्ड नंबर 7 वार्ड नंबर 15, 8 मैं मौजूद पानी की टँकियों में साफ सफाई कराई गई। इस दौरान काई और मिट्टी साफ की गई। नगर पालिका द्वारा पिछले साल भी यह काम प्राथमिकता के साथ कराया गया था। इस काम में लगभग आठ कर्मचारियों को लगाया गया है।

नवागत देवास सीएमएचओ डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने किया पद्भार ग्रहण

देवास। मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के आदेशानुसार डॉ सरोजनी जेम्स बेक ने मंगलवार को विधिवत सीएमएचओ का पदभार ग्रहण किया। प्रभारी सीएमएचओ डॉ एम एस गोसर ने प्रभार दिया। नवागत सीएमएचओ डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ एक ही राज्य था तब से सन 1992 से स्वास्थ्य विभाग में सेवाये प्रदान कर रही है। सन 1992 से 1994 तक छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में सेवाएं दी। इसके पश्चात 1995 से निरन्तर मध्यप्रदेश के गुना जिले में सेवाएं दी। सन 2013 में मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी के पद पर प्रमोशन होने पर गुना जिले के शहरी क्षेत्र में कार्य किया। सीबीएमओ सहित जिला स्वास्थ्य अधिकारी के विभिन्न पदों का कार्य करते हुए शासन के आदेशानुसार सीएमएचओ दमोह के पद पर जुलाई 2023 में प्रमोशन हुआ।

कच्ची सड़क से परेशान गोकुलधाम कॉलोनी के रहवासी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे

वर्षों से कर रहे शिकायत के बाद भी समस्या जस की तस, अधिकारी और जनप्रतिनिधि नहीं दे रहे ध्यान

शाजापुर।

जिम्मेदारों की उपेक्षापूर्ण कार्यशैली के कारण वर्षों से मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे गोकुलधाम कॉलोनी के रहवासी एक बार फिर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और आवेदन सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की।

मंगलवार को शाजापुर की गोकुलधाम कालोनी के दर्जनों रहवासी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और यहां शिकायती आवेदन सौंपकर बताया कि वार्ड क्रमांक 27 गोकुलधाम कॉलोनी में कच्ची सडक़ होने से बारिश के कारण आवागमन करने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग पर पसरी कीचड़ और जगह-जगह गड्ढ़ों में जमा बारिश का पानी परेशानी परोस रहा है। रहवासियों ने बताया कि उन्होने मामले में वार्ड पार्षद के साथ ही नगरपालिका में दर्जनों बार शिकायत कर दी है, किंतु कोई सुनवाई नही की जा रही है। रहवासियों ने मांग की है कि वार्ड के कच्चे रास्ते पर मुरम डलवाई जाए और बाद में पक्की सडक़ी का निर्माण कराया जाए।

वर्षों से कर रहे शिकायत: कलेक्टर कार्यालय शिकायत करने पहुंचे गोकुलधाम कॉलोनी के रहवासियों ने वह बीते कई सालों से पक्की सडक़ के निर्माण की मांग कर रहे हैं। सर्दी और गर्मी में तो कच्ची सडक़ की वजह से इतनी परेशानी नही होती, लेकिन बारिश के दिनों में हर दिन घर से बाहर जाना और घर तक पहुंचना मुसीबतभरा साबित हो रहा है। कीचड़ अधिक होने से स्कूली बच्चों को घर तक स्कूल वाहन लेने नही आ रहा है। जल संकट से बचने के लिए टैंकर से पानी कॉलोनी में मंगाया जाता था, परंतु कीचड़ होने से अब पानी का टैंकर भी कॉलोनी में प्रवेश नही कर पा रहा है जिसकी वजह से भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों ने बताया कि वह कई वर्षों से सडक़, पानी की समस्या को लेकर वार्ड पार्षद और नगरपालिका के जिम्मेदारों से गुहार लगा रहे हैं किंतु उनकी समस्या हल नही की जा रही है।

क्षतिग्रस्त पुल को आनन फानन में किया दुरुस्त

गंजबासौदा। पिछले 4 दिन से नदी बेतवा नए और पुराने पुलों के ऊपर से बह रही थी मंगलवार को नदी वेतवा पुल के नीचे वहने लगी थी आवागमन सामान्य रूप से चल निकला था परंतु पुराने पुल में स्लैब के डैमेज होने से जोखिम भरा आना जाना बना हुआ था उसको दुरुस्त किया गया और पुल पर से आगमन जारी रखा गया। नये पुल बन जाने से वर्षांत में भी आवा गवन बंद नहीं होगा पुल के निर्माण अधीन होने से पुराने पुल की दोनों अप्रोच इतनी बद्तर स्थिति में है कि लोग बड़ी मुश्किल से आधा आधा किलोमीटर का भाग पूरा कर पाते हैं। जगह-जगह गड्ढे हो रहे हैं लेकिन सेतु निगम पीडब्ल्यूडी कोई भी महकमा इस पुराने पुल की पहुंच मार्ग को पूरी करने अर्थात दुरुस्त नहीं कर रहा जिससे दर्जन से अधिक गांव के लोग और कई दूर दराज शहरों को जाने वाले वाहन चालक काफी परेशान होते हैं।

नए पुल की अभिलाषा पूरी होने की समय अवधि तक पुराना पुल की पहुंच मार्ग क्षतिग्रस्त पड़ी रहेंगी कोई भी विभाग राशि खर्च करने की स्थिति में नहीं है, बल्कि यह कहना वाजिब होगा कि पुराने पुल के दोनों पहुंच मार्गों को लावारिस हालत में छोड़ दिया है। बड़ी बात है कि नवीन पुल यदि एक दशक में भी नहीं बन पाता तो क्या मार्ग ऐसा ही बना रहेगा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान में प्रबंध संचालक द्वारा किया वृक्षारोपण

जबलपुर। मध्यप्रदेश की छह विद्युत कंपनियों में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान चलाया जा रहा है । इस दौरान छह विद्युत कंपनियां अपने परिसर में एक लाख से अधकि पौधे लगाएंगी । जिसमें पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 18 हजार 800 से अधिक पौधे लगाए जाने है।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री अनय द्विवेदी द्वारा ट्रेनिंग सेंटर जबलपुर में पौधारोपण किया गया साथ ही समस्त क्षेत्रीय कार्यालयों में भी पौधे रोपित किये गये । इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (कार्य) संजय भागवतकर, मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य) अशोक सिंह ध्रुवे, उप मुख्य महाप्रबंधक (प्रशासन) एस.के.गिरिया, प्रमुख (कम्प्यूटर पद्धति एवं संचलन) अरविंद सक्सेना , अधीक्षण अभियंता (सिविल) प्रहलाद मर्सकोले ने भी एक - एक पौधा लगाकर इस अभियान में सहयोग दिया , जिसमें मुख्य रूप से आम, ऑवला, नीम, जामुन एवं पारिजात जैसे पौधों का रोपण किया गया । कार्यक्रम में बड़ी संख्या मे कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ।

मुख्यमंत्री ने किया अभयिान का शुभारंभ- प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गोविन्दपुरा स्थित मुख्यालय परिसर में पौध-रोपण कर बिजली कंपनियों के परिसर में पौधे लगाने के अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल सहित अभयिंताओं व कार्मिकों ने सामूहिक रूप से पौधे रौंपे । अभयिंता व कार्मिक पौधों की करेंगे सुरक्षा- ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि उत्तरवर्ती विद्युत कंपनियों द्वारा कुल एक लाख पौधों का रोपण किया जाएगा । ऊर्जा मंत्री ने निर्देशित किया है कि अभयिंता व कार्मिक लगाए जाने वाले पौधों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करेंगे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय की कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य की अध्यक्षता में पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न हुई, जिसमें कलेक्टर एवं समिति के चेयरपर्सन श्री वैद्य ने विद्यार्थियों के हितो में लिए जाने वाले सभी निर्णयों पर सहमति व्यक्त की है। संस्था की प्राचार्यो ने पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों के पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए कि कक्षा एक से दस और 12 के लिए अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक आयोजित करने, स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। इसके अलावा स्कूल के चयनित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रशिक्षण की सुविधाएं, अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणामो और टेस्ट के लिए समयावधि व

कार्यक्रम जारी करने के अलावा संस्था परिसर में कर्मचारियों एवं भवन आवास, विद्यालय के सामने वाले क्षेत्र में पेबर ब्लाक बिछाने, खेल मैदान के लिए मूवएवल, फुटबाल, गोल पोस्ट खरीदने की अनुमति, गणित प्रयोगशाला एवं परीक्षा विभाग के लिए पांच स्टील अलमारी खरीदने की अनुमति, विद्यालय में नियति विद्युत मरम्मत के लिए आवश्यक सामग्री खरीदने की अनुमति, प्राचार्य कक्ष के लिए सोफा सेट क्रय करने, विद्यालय के विभिन्न विभागो के लिए उपयुक्त सामग्री तथा कम्प्यूटर लेब के लिए दस कम्प्यूटर और एक इंटरएक्टिव पैनल खरीदने की मंजूरी तथा एनसीसी के अंतर्गत कैडेटो के लिए बाधा प्रशिक्षण से प्रशिक्षित करने हेतु आवश्यक बाधा निर्माण कार्यो को कराए जाने की अनुमति, बास्केटबाल कोर की मरम्मत इत्यादि पर सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए है।

कलेक्टर एवं कार्यकारिणी समिति की सभापति के समक्ष विद्यालय परिसर में जल निकासी के लिए किए जाने वाले प्रबंधो पर चर्चा की गई और आवश्यक संसाधनो की आपूर्ति सुनिश्चित कराने हेतु जनप्रतिनिधियों से सहयोग प्राप्त करने के सुझाव भी रखे गए है। इस दौरान हर कक्षा में एक-एक सीसीटीव्ही लगाने पर भी सहमति व्यक्त की गई है। संस्था की प्राचार्य श्रीमती गीता भदौरिया ने कार्यकारिणी समिति के नियमों का हवाला देते हुए बताया कि पचास हजार से अधिक की राशि विद्यालय के कार्यो पर समिति सदस्यों की सहमति उपरांत खर्च की जा सकेंगी। इससे पहले बैठक में शामिल कार्यकारिणी समिति के सभापति सहित अन्य सभी सदस्यों का संस्था की प्राचार्या द्वारा स्वागत किया गया।

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने कार्यकारिणी समिति की बैठक के उपरांत सदस्यों के साथ पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय के परिसर का भ्रमण कर विभिन्न कक्षो में संचालित होने वाली कक्षाओं में किए गए प्रबंधो का अवलोकन किया साथ ही प्रयोगशाला के अलावा विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के खेलने के लिए किए जाने वाले प्रबंधो और आवश्यताओं का भी भ्रमण कर जायजा लिया गया है।

इंदौर नगर निगम फर्जी बिल घोटाले में कांग्रेस की मांग, बड़े लोगों को भी पकड़ें

भोपाल(काप्र)। इंदौर नगर निगम में 150 करोड़ रुपये के बिल फर्जी घोटाला मामले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय ने 18 आरोपियों के ठिकानों पर छापा मारा। देर शाम तक ये कार्रवाई जारी रही। अब इसे लेकर कांग्रेस ने कहा है कि जब ईडी ने कार्रवाई शुरु की है तो इसे अंजाम तक पहुँचाया जाए और इसमें शामिल 'बड़े मगरमच्छों' को भी पकड़ा जाए। इस घोटाले को लेकर कांग्रेस शुरु से ही हमलावर है। मामले में इंजीनियर अभय राठौर जेल में है वही अन्य चार आरोपी फरार है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के मीडिया सलाहकार केके मिश्रा ने कटाक्ष करते हुए ट्वीट किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि 'इंदौर नगर पालिक निगम में क़रीब 150 करोड़ रू। के हुए फर्जी बिल घोटाले में अब आज के भगवान ईडी का भी मंगल प्रवेश। हे प्रभु ,अब आप आदरपूर्वक पधार ही गए हैं, तो सादर आग्रह है कि कृपापूर्वक छोटी-छोटी मछलियां नहीं, बड़े-बड़े मगरमच्छों को भी पकड़ना। लोकहित में एक विशेष आग्रह और! यदि हाथ लगा कोई बड़ा मगरमच्छ भाजपा की वॉशिंग मशीन में धुलकर उज्जवल होने की कोशिश भी करे तो उसे क्लिनचिट मत दे देना?' इस तरह अब कांग्रेस ने इस मामले में लिप्त बड़े लोगों पर भी कार्रवाई की मांग की है।

बिना रजिस्ट्रेशन संचालित हो रहे क्लिनिकों की जांच अभियान धीमा पड़ा

उज्जैन।

जिले में बीते पांच सालों में 100 से अधिक फर्जी और झोलाछाप डॉक्टरों की क्लिनिक खुल चुकी है। इनकी जांच के आदेश भोपाल मुख्यालय से करीब 20 दिन पहले जारी हो चुके हैं। लेकिन जिला स्वास्थ्य विभाग अभी तक जांच के लिए अन्य विभागों से ताल मेल कर संयुक्त टीम नहीं बना पाया है।

ऐसे में जांच का अभियान सख्ती से शुरु नहीं हो पा रहा है। अभी तक जिले में इस तरह की एक या दो कार्रवाई ही हुई है। मामले में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अभी तक जिला और पुलिस प्रशासन से सहयोग हेतु पत्राचार ही किया है।

उल्लेखनीय यह हैं कि जिले में लगभग 350 छोटे बड़े हॉस्पिटल, पैथोलॉजी सेंटर और क्लिनिक हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के रिकॉर्ड में आज भी इनकी संख्या महज 216 ही हैं। जहां लाइसेंस वाले डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। लेकिन शेष हॉस्पिटल और क्लिनिक झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा संचालित किए जा रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में इनकी संख्या सबसे अधिक है। जहां ये झोलाछाप बुखार, सर्दी, खांसी, जुकाम, बदन दर्द जैसी शुरुआती बीमारियों में गोलियां देकर मरीज को चपत लगा रहे हैं। जिले के लगभग हर एक गांव में झोलाछाप डाक्टर अपनी दुकानें संचालित कर रहे हैं। किसी ने एक वर्षीय होम्योपैथी का कोर्स किया है तो किसी ने अन्य कोई कोर्स किया है। फिर भी लोगों का एलोपैथी दवाइयों से इलाज कर रहे हैं। खुद को पंजीकृत डॉक्टर बताकर क्लिनिक भी खोल रखा है, जबकि उनके पास लाइसेंस ही नहीं हैं, लेकिन अब तक इन पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई है।

विभाग के इस रवैए का लाभ झोलाछाप डाक्टरों को मिल रहा है। इतना ही नहीं ग्रामीणों व जागरूक जनप्रतिनिधियों की शिकायत पर कोई कार्रवाई न होने से अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्वास्थय विभाग के नियमों के मुताबिक अवैध रूप से क्लीनिक चलाने पर मप्र उपचार गृह तथा रोगोपचार संबंधी स्थापनाएं, रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन अधिनियम के तहत आरोप को तीन माह की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही बिना रजिस्ट्रेशन के क्लीनिक चलाने वाले के खिलाफ 420 का मामला भी दर्ज किया जा सकता हैं। हालांकि स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय से पिछले महीने 18 जुलाई को जांच के आदेश भी जारी हो चुके हैं। इसके बाद एक या दो मामलों में जिला स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की है।

सीएमएचओ डॉ. अशोक पटेल ने बताया कि जिले में 216 रजिस्टर्ड क्लिनिक, नर्सिंग होम व अस्पताल हैं। जबकि शहर में इनकी संख्या 71 है। आगे की कार्रवाई के लिए विभाग को जिला व पुलिस प्रशासन से संयुक्त दल बनाने में सहयोग की आवश्यकता है इसके लिए पत्राचार किया गया है।

अधिवक्ताओं ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की

गंजबासौदा। नगर के सीनियर अभिभाषक मुकेश रघुवंशी को विगत दिनों बदमाशों द्वारा अपहरण करके लूटपाट और मारपीट की है ऐसी रिपोर्ट थाने में दर्ज हुई है अभिभाषक संघ गंजबासौदा ने इस मसले को काफी गंभीरता से लिया और सामूहिक रूप से बासौदा एसडीएम एवं एसडीओपी को एक ज्ञापन सोंपा जिसमें आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग रखी गई है अधिकारियों ने अधिवक्ताओं को आश्वत किया कि शीघ्र आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना से शहर में चर्चा का विषय तो बना ही साथ साथ लोगों के दिलों दिमाग में दहशत व्याप्त है।

जिला प्रशासन ने ई-केवाईसी के लिए शिविर लगाए

सीहोर। शासन द्वारा संचालित समस्त योजनाओं एवं शासकीय कार्यों का लाभ लेने के लिये सभी खाताधारक, भूमिस्वामी, प्लॉट-भूखण्ड, मकान मालिक जिनके नाम, खसरा रिकार्ड में दर्ज हैं, उनको, अपने-अपने भू-खण्ड व कृषिभूमियों का समग्र आईडी एवं आधार कार्ड से ई-केवाईसी कराना अति आवश्यक है। इसके लिए जिला प्रशासन ने नगर पालिका और राजस्व विभाग के संयुक्त रूप से शहर के अनेक स्थानों पर नागरिकों के लिए निशुल्क शिविरों का आयोजन किया है। राजस्व दल एवं नगर पालिका द्वारा पटेल नगर कॉलोनी एवं गुलाब विहार कॉलोनी में ई-केवाईसी करने हेतु कैंप लगाए गए। अगर आप अपनी भूमि की हेरा-फेरी व जमीन संबंधी गड़बडियों से बचना चाहते है और अपने भूखण्ड, मकान, दुकान कृषिभूमि को सुरक्षित करना चाहते है तो आप सभी अपने नजदीकी ऑनलाइन सेंटर या सीएससी कम्प्यूटर सेंटर पर जाकर अपनी-अपनी कृषि भूमिर्यो, भूखण्डों, प्लाट व मकानो की ई-केवीसी अवश्य करवाएँ और शासन की योजनाओं का लाभ लें ।

स्पेशल खबर कई क्षेत्र हैं जहां बिजली के क्षतिग्रस्त खंभे और हाइटेंशन लाइन झूलतीं नजर आ रही हैं

लापरवाही न पड़ जाए भारीः बारिश में खुले ट्रांसफार्मर दे रहे हादसों को न्योता

सीहोर।

शहर के मुख्य मार्गों और मोहल्लों में खुले में रखे ट्रांसफार्मर हादसों को दावत दे रहे हैं। लापरवाही के चलते खुले में रखे ट्रांसफार्मरों में कभी भी करंट उतरने से होने वाले हादसों से इंकार नहीं किया जा सकता।

सड़क किनारे लगे इन ट्रांसफार्मरों से हादसे हो भी हो चुके हैं, वहीं बारिश के समय करंट उतरने का खतरा भी आम दिनों से अधिक बना रहता है। इसके बावजूद गंभीरता नहीं बरती जा रही। इसी तरह पुराने हाइवे स्थित गंगा आश्रम के पास रोड किनारे लगे ट्रांसफार्मर से आने जाने जान वाले लोगों को खतरा बना रहता है। एक तो जाली नहीं होने से और दूसरा बारिश में रोड पर ट्रांसफार्मर के नीचे पानी भरा रहता है। जिससे कभी भी करंट उतरने से हादसा हो सकता है।

खंभों पर तारों का जाल बिछा, लटक रहेः नगर में बिजली के खंभों पर तारों का जाल बिछा हुआ है। कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां बिजली के क्षतिग्रस्त खंभे और हाइटेंशन लाइन झूलतीं नजर आ रही हैं। जो कभी भी बड़ी दुर्घटना को कारण बन सकते हैं। बड़ा बाजार सहित गंज, मंडी के अंदरूनी गलियों में बिजली, केबल के तार लटक रहे हैं। ये तार इतने नीचे है कि यह वाहनों को छूते हैं, कई बार तो यह वाहनों में फंसकर टूट जाते हैं।

सुरक्षा के लिए जाली नहीं लगाईः करीब डेढ़ लाख की आबादी वाले शहर में बिजली आपूर्ति के लिए छोटे-बड़े ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। शहर में भीड़ भाड़ वाले बड़ा बाजार, कोतवाली रोड, तहसील चौराहा आदि स्थानों पर सड़क के किनारे खुले में ट्रांसफार्मरों को रखकर इतिश्री कर ली गई। जबकि, ट्रांसफार्मरों के चारों ओर लोहे की जाली लगवाकर इनको कवर नहीं कराया गया। जिससे इन ट्रांसफार्मर के आस-पास लोगों सहित राहगीरों पर हर समय हादसों का खतरा मंडराता रहता है। गर्मी के मौसम में ट्रांसफार्मरों से चिंगारी निकलना व स्पार्किंग होना, वहीं बारिश के समय करंट उतरने से कभी भी बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता। इतना ही नहीं जहां जाली लगी है, वहां अधिकतर स्थानों पर वह पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। लेकिन जिम्मेदारों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा।